*RBI@90 स्मृति समारोह में स्वागत भाषण**

शक्तिकान्त दास

माननीय प्रधानमंत्री जी, महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल, माननीय वित्त मंत्री, महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री, माननीय केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री, महाराष्ट्र के माननीय उप मुख्यमंत्री, विशेष आमंत्रित सदस्य, मीडिया प्रतिनिधि, और रिज़र्व बैंक के मेरे पूर्व और वर्तमान सहकर्मी।

आज, 1 अप्रैल, 1935 को भारतीय रिज़र्व बैंक अपनी स्थापना के 90 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। पिछले नौ दशकों में रिज़र्व बैंक की यात्रा कुशल कामकाज और राष्ट्र की प्रगति में योगदान की रही है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, इस स्मारक समारोह में रिज़र्व बैंक की ओर से माननीय प्रधानमंत्री जी, का स्वागत करना मेरे लिए गौरवपूर्ण सौभाग्य की बात है। महोदय, अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच, यहां आपकी उपस्थिति हम सभी के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा का स्रोत है। मैं माननीय वित्त मंत्री का भी स्वागत करता हूं, जो समर्थन और मार्गदर्शन के स्रोत रहे हैं। इसके अलावा, मैं मंच पर विराजमान सभी प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों और हमारे सभी आमंत्रित लोगों का स्वागत करता हूं जिन्होंने आज यहां उपस्थित होना सुविधाजनक बनाया है।

एक संस्था के रूप में, रिज़र्व बैंक का विकास भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। केंद्रीय बैंक होने के नाते योजना अवधि के दौरान, मुख्य रूप से दुर्लभ संसाधनों के आवंटन कार्य से जुड़ा रिज़र्व बैंक बाजार अर्थव्यवस्था के लिए एक प्रवर्तक के रूप में परिवर्तित हो गया है। हम एक पूर्ण-सेवा केंद्रीय बैंक हैं जिसके कार्य-कलाप कई आयामों में फैले हुए हैं।

हमारा प्रयास एक ऐसे वित्तीय क्षेत्र को बढ़ावा देने का रहा है जो मजबूत, लचीला और भविष्य के लिए तैयार हो। हाल के वर्षों में दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के अधिनियमन और लचीली मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण को अपनाने जैसे अग्रणी संरचनात्मक सुधारों ने हमें बैंकिंग प्रणाली में चुनौतियों से निपटने और मूल्य स्थिरता को अधिक प्रभावी रूप से बनाए रखने के कार्य में मदद की है।

आज की दुनिया में, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी, नवाचार, व्यवसाय प्रथाओं और वित्तीय क्षेत्र में बढ़ती जटिलताओं के क्षेत्रों में, तेजी से हो रहे परिवर्तनों को देखते हुए, रिज़र्व बैंक लगातार उभरती प्रवृत्तियों का मूल्यांकन कर रहा है और विकसित हो रही परिस्थितियों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए आवश्यक नीतिगत उपाय कर रहा है। हमारा प्रयास स्थितियों का अनुमान लगाकर सक्रिय कार्रवाई करना है।

कोविड-19 महामारी से उत्पन्न वैश्विक उथल-पुथल और वर्तमान भू-राजनीतिक शत्रुता ने भारत सहित दुनिया की हर अर्थव्यवस्था के लचीलेपन की परीक्षा ली है। हमारे देश में अपनाई गई सुव्यवस्थित और समन्वित मौद्रिक एवं राजकोषीय नीतियों ने हमारी अर्थव्यवस्था को इन झटकों से बचाने में काफी मदद की है और हमें पहले से भी अधिक मजबूत बनकर उभरने में मदद की है। यह संतोष की बात है कि आज हमारी जीडीपी वृद्धि दर मजबूत है; मुद्रास्फीति कम हो रही है; वित्तीय क्षेत्र स्थिर है; बाहरी क्षेत्र लचीला बना हुआ है; और विदेशी मुद्रा भंडार सर्वकालिक उच्च स्तर पर है।

पिछले कुछ वर्षों से, रिज़र्व बैंक स्थिरता, समुत्थानशीलता और हमारे नागरिकों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में उभरा है। यह टीम आरबीआई की पीढ़ियों द्वारा किए गए योगदान के कारण संभव हुआ है। जैसे-जैसे हम RBI@100 की ओर बढ़ रहे हैं, रिज़र्व बैंक एक स्थिर और मजबूत वित्तीय प्रणाली की सुनिश्चितता पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जो हमारे देश की आर्थिक प्रगति के लिए एक आधार के रूप में कार्य करेगी।

इन्हीं शब्दों के साथ, मैं एक बार फिर माननीय प्रधानमंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का इस स्मारक समारोह में स्वागत करता हूं। मैं दर्शकगणों में उपस्थित आप सभी का भी हार्दिक स्वागत करता हूं।

धन्यवाद। नमस्कार!

---

* 1 अप्रैल, 2024 को मुंबई में RBI@90 स्मारक समारोह में श्री शक्तिकांत दास, गवर्नर, आरबीआई द्वारा स्वागत भाषण।